

पलामू में मतदान से पहले इतिहास रचने की खामोशी

■ दल और जातीय बंधन की दीवार को तोड़ने के लिए बेचैन हैं मतदाता

■ पुरुषों से कहीं अधिक महिलाओं के अंदर उमड़ रहा है उत्साह

■ राम मंदिर का जिक्र होते ही जुबां पर आ जाती हैं दिल के अंदर छिपी बात

ग्राउंड रिपोर्ट

आम चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। चुनावी शोर भी शुरू हो गया है। जगह-जगह दरवार भी सज रहा है। पेट्रोल पंपों पर मोटर साइकिलों में तेल लेने वालों की संख्या भी बढ़ गयी है। ढांगा और चाय-पानी-नाश्ते की दुकानों में बिक्री बढ़ रही है। टेंपो-ऑटो की सवारियों में इजाफा हुआ है। भाड़े पर जीप और बोलेरो की मांग में अचानक बढ़ोतरी हो गयी है। स्थानीय स्तर पर टेंट और खाना बनानेवालों की पूछ भी बढ़ गयी है। पतल और दोना की बिक्री में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। दुकानों में दलों के झाँड़े की डिमांड होने लगी है। इसके खरीदार बन गये हैं स्कूटी, मोटरसाइकिल, रिकशा और ऑटो वाले। माइक्रोवाले तो परेशान हैं ऑर्डर लेने-लेने। दल के नेताओं के खर्च भी बढ़ गये हैं। सुबह से ही इनके पास कार्यकर्ताओं का समूह जुटने लगा है। कहीं चाय तो कहीं-कहीं पानी की बोतल से ही काम चलाया जा रहा है। सड़क किनारे बने घरों में जगह की खोज हो रही है, ताकि चुनाव के समय वहां पार्टी कार्यालय खोला जा सके। कुछ जगहों पर तो कार्यालय स्थापित भी हो गये हैं। इन कार्यालयों में अभी से यह गुणा-भाग भी हो रहा है कि किस बृथ के मतदाता किस तरफ झुकेंगे। उन्हें अपने पाले में लाने की रणनीति बनायी जा रही है। हर दल यह रणनीति बनाने में व्यस्त है कि पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान के प्रतिशत में बढ़ोतरी कैसे हो। मतदान में बढ़ोतरी को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी और उनके मातहत काम कर रही मशीनरी भी लग गयी है। चुनाव आयोग लोगों के मन में बैठे इस मिथ्य को तोड़ने में लगा है कि शत-प्रतिशत मतदान होने पर बूथ कैसिल हो जाएगा। एक जमाना था, जब मैनुअल चुनाव प्रक्रिया में शत-प्रतिशत मतदान होने पर उस बूथ का मतदान कैसिल हो जाता था। ऐसा माना जाता था कि वहां जाली मतदान हुआ है, लेकिन आज भारत बदल चुका है। अब हर उस बूथ का मान-सम्मान बढ़ गया है, जहां ज्यादा से ज्यादा मतदान हुआ हो।

तपमान 40 डिग्री के आसपास। सूर्य की किरणें इतनी तेज की आंखें चौधिया जा रही हैं। बदन पसीने से तर-बतर। गर्मी से बचने के लिए गमछा एकमात्र सहारा। दिन के दस बजे से लेकर तीन बजे तक ग्रामीण इलाकों की सड़कें सूनसान। हवा के झोंकों में गजब की गर्मी। जहां-तहां कुछ दूरी पर स्थित चाय-नश्ता की दुकानों पर कुछ लोग नजर आ जाते हैं। वे आपस में तो चुनाव की चर्चा कर रहे हैं, लेकिन जैसे ही कोई पत्रकरार या दूसरा उनसे पूछ बैठता है, तो वे खामोश हो जाते हैं। बहुत कुरेदने पर उनमें से कुछ अपने अंदर की इच्छा व्यक्त करते हैं, लेकिन बहुत ही संयमित शब्दों में। कुछ लोग खुल कर अपनी भावनाओं का इजहार भी कर रहे हैं। पहले की बनिस्कत यहां महिलाएं ज्यादा मुखर हैं। खासकर रामर्मदिर का मुद्दा सामने आने पर वे बेलाग बोलने लगती हैं। इसे सुन कर साफ पता चलता है कि उनके दिल के अंदर मतदान को लेकर क्या कुछ चल रहा है।

अफगानिस्तान युद्ध के समय कैसे भारतीय छात्रों को वहां से निकालने के लिए युद्ध रोक दिया गया। कैसे भारत की पर्लेग लगीरे गाड़ियों को देख कर रूस और अफगानिस्तान के सैनिक सैलूट्यूट मार रहे थे। सोनू यह सुनने को तैयार ही नहीं था कि पलामू की समस्याओं का समाधान कैसे होगा। वह उम्मीदवार के नाम पर बात ही नहीं करना चाहता था कहने लगा-उससे हमको क्या लेना-देना। हम तो उसे बोट करेंगे, जिसने हमारे देश का मान-सम्मान बढ़ाया है।

सोनू की बातों को सुन कर लगा कि वह किसी खास राजनीतिक पार्टी का कार्यकर्ता है। जानने की कोशिश करने पर उसने यह कह कर खामोश कर दिया कि हमें रोटी बनाने और खाना खिलाने से फुर्सत कहां है कि हम किसी दल का झंडा ढोयेंगे। कोई दल हमें रोटी थोड़े न दे देगा। काम करेंगे तो खायेंगे। नहीं करेंगे, तो भूखे सोयेंगे। अभी धंधा कैसा चल रहा है। मनने वाले तब कहता है मनवद

लकर क्या कुछ चल रहा ह। शुक्रवार को आजाद सिपाही की टीम पलामू दौरे पर थी। उद्देश्य था मतदाताओं का मन टटोलना और पलामू की मौजूदा समस्याओं-मुद्दों से अवगत होना। मन में यह उत्कट इच्छा थी कि 2019 और अब 2024 के चुनाव में पलामू में क्या कुछ बदला है। वहां के लोगों के मन-मस्तिष्क में क्या कुछ चल रहा है। पिछली बार पलामू में लगभग 63 प्रतिशत मतदान हुआ था। अपेक्षा से कम। ह, सुनत हा वह कहत ह, सुबह सात बजे से रात दस बजे तक ढाबा खोल कर रखते हैं। कभी कोई तंग नहीं करता? यह पूछने पर वह कहता है कौन तंग करेगा जंगल वाला? अरे, अब वे लोग कहां हैं। ऐसे पहले भी उन्हेंने कभी हमें तंग नहीं किया। हाँ, कभी-कभी स्थानीय स्तर पर तो कुछ समस्याएं होती ही रहती हैं।

क्या इस बार मतदान प्रतिशत में इजाफा होगा !

दौरे के क्रम में सत्वरवा के सोनू लाइन होटल में आजाद सिपाही की टीम रुकी थी। यहां खाना खाने के बाद मन में आया कि लोगों का मन टटोला जाये। सोनू नाम के 35 वर्षीय युवक से जानने की कोशिश की गयी कि उसके मन में चुनाव को लेकर क्या धारणा है। यहां क्या कुछ चल रहा है। सवाल सुनते ही सोनू खामोश। बहुत कुरेदने पर वह कहता है औट तो देंगे ही। किसे देंगे, यह सुनते ही वह सकपका जाता है।

एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति खड़ा है। धूप से बचने के लिए वह अपने सिर पर गमछा रखे हुए है। उसके हाथों में एक झोला है। तन पर कुर्ता और कमर के नीचे आधी धोती। वह गंतव्य तक जाने के लिए किसी वाहन का इंतजार कर रहा था। उसके शरीर को देख कर लगा कि उम्र 60-65 वर्ष होगी पूछने पर वह कहता है पचास साल का हूं। हम अबाक रह गये कि पचास साल की उम्र में ही उसके शरीर की यह हालत कहता है, काम और जिम्मेदारियों की चिंता से शरीर गल गया है।

धुरियां पँड गयी हैं। हम बातचीत का सिलसिला
शुरू करते हैं। हमने उससे पूछ ही मैं
डाला कि इस बार वहां से कौन
चुनाव लड़ रहा है। कहता है-
हमने उन्हें देखा तो नहीं है
प्रत्याशी को आपने नहीं देखा के
सवाल पर वह कहता है कि असे
बाबू हम गांव के लोगों को प्रत्याशी
से क्या लेना-देना। ऐसे भी गांव में
कौन प्रत्याशी जाता है भला
स्थानीय स्तर के नेता जरूर आते
हैं वहां। इस बार आप मतदान
करेंगे या नहीं? इस पर वह कहता है
वोटवा तो देंगे ही। किसे देंगे?
नाम तो नहीं जानते? फिर वोट
किसे देंगे। देंगे न! आपके इलाके
में कोई काम ढुआ या नहीं। सुनते
ही कहता है कैसे नहीं ढुआ। वह
कहने लगता है- बाबू पहले हम

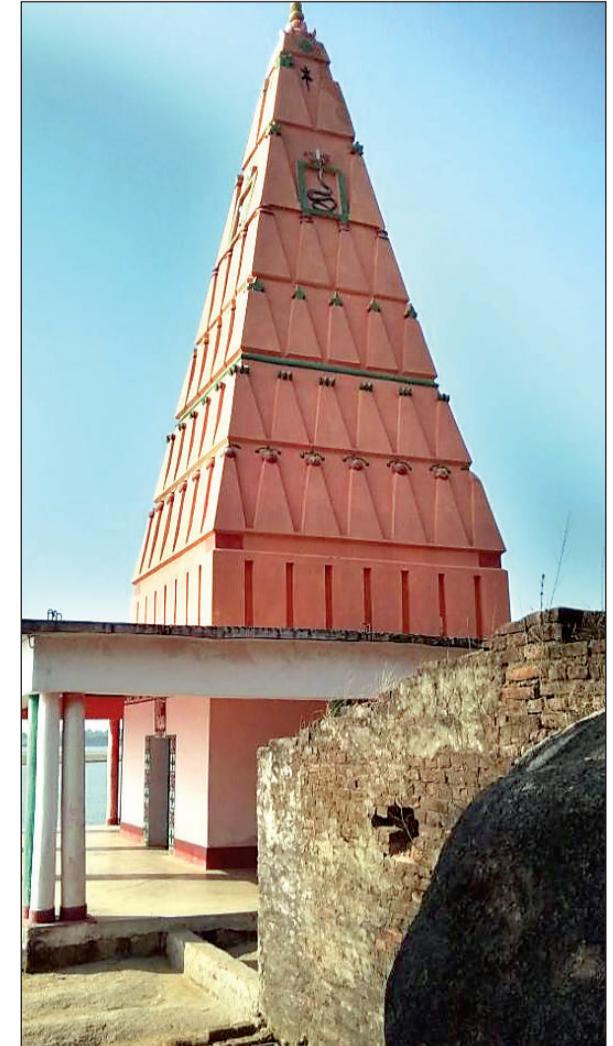


— मरार की महिला ने दागा जवाबी सवाल —



किसको दीजिएगा? इ अभी काहे बतायें। अरे हम लोग ऐसे ही पूछ रहे हैं। हम लोग नेता

किसको दीजिएगा, वही तो हम पूछ रहे हैं। कुछ देर तक वह खामोश रहती है। फिर कहती है-रामजी को। रामजी कोन हैं अरे आप नहीं जानते, वही भगवान जी, जो अयोध्या में आये हैं। हम पूछते हैं- भगवान जी चुनाव में थांड़े खड़े हुए हैं। वह तो अयोध्या मंदिर में हैं। अरे तो उससे क्या हुआ? पांच सौ साल बाद आये न मंदिर में पहले तो दूर्घटा धर में थे। अब न मिला है उनको मंदिर। उसको जो मंदिर में बैठाये हैं, उसी को देंगे। क्रहे उनको दीजिएगा? अरे बाबू नहीं देंगे, तो पापे न हमको पड़ेगा। एतन दिन बाद रामजी को उ मंदिरव में बैठाये तो हम उनको ऐसो गोटवो नहीं देंगे। चुनाव चिह्न आपको पता है? हाँ-हाँ पता है न। क्या है? अरे वही फुलवा।



लड़ेगा या कांग्रेस? गठबंधन की तरफ से अब तक ऑफिशियल रूप से यह घोषणा नहीं की गयी है कि यह सीट किसके खाते में जायेगी। ऐसे आधे मन से यहां राजद यह प्रचार जरूर कर रहा है कि उसकी तरफ से ममता भुइयां उम्मीदवार होंगी, लेकिन अधिकारिक तौर पर यह घोषणा अभी बाकी है। पलामू के जीरो ग्राउंड की यह सच्चाई है कि आज की तारीख में सिर्फ और सिर्फ भाजपा के बीड़ी राम मैदान में दौड़ रहे हैं और उनके साथ उनकी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से लेकर, विधायक, प्रदेश महामंत्री, जिला इकाई के नेता और कार्यकर्ता पूरे दमखम के साथ मैदान में जुटे हुए हैं। प्रचार वाहन भी उनका सड़कों पर उतर चुका है। बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की बाढ़ आ गयी है। चुनावी कार्यालय भी खुलने लगे हैं। शुक्रवार से लेकर रविवार तक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी मेंदीनगर, विश्रामपुर, रमना, गढ़वा, हैदरनगर तमाम जगहों पर बूथ स्तरीय कार्यकर्ता

पलामू के अब तक के सांसदों की शिक्षा	
जोरावर राम	इंटर
ब्रजमोहन राम	बीए
कामेश्वर बैठा	10वीं पास
मनोज कुमार	बीए
घुरन राम	बीए
वीडी राम	बीए, आईपीएस

पलामू संसदीय क्षेत्र के मतदाता	
कुल मतदाता	1693169
पुरुष	877713
महिला	815456



यहां से जब रंची जाते थे, तो बस से ही जाना पड़ता था। तीन-चार साल पहले बस का किराया कम था। अब बस में एसी लिख दिया है और उसमें बैठने पर चार सौ रुपया किराया मांगता है। उतनी तो हमारे डेढ़ दिन की मजबूरी है। ऊपर से बसवा में बैठने पर जाड़ा लगने लगता है। गमछा से मुंह-कान बांधना पड़ता है। इसलिए अब हम बस से रंची नहीं जाते। तो कैसे जाते हैं? कहता है ट्रेनवा से। एक ट्रेनवा चलती है चौपन एक्सप्रेस। उसी से जाते हैं। उससे जाने से क्या फायदा होता है? झट से कहता है-अरे उसमें सिर्फ 95 रुपया लगता है। साढ़े चार घंटा में पहुंचा भी देती है। बसवा छह से सात घंटा में पहुंचाता है। ट्रेनवा से 200 रुपया में रंची आना-जाना हो जाता है। ट्रेन किसने चाल करवायी? सुने हैं बाबू मोदी जी ने चालू करवायी है। यहां से किसी कोशिश तो की होगी? हाँ, न सांसद जी हैं न! क्या नाम न उनका? दिमाग पर जोर देकर वाकहता है, अरे वही। कौन? नमवाले तो हम भुला गये हैं। अरे लोगों कहता है कि पहले वह पुलिस न थे। और उनके बारे में क्या सुने हैं आप? कहता है- वह पैसा नह लेते हैं। इमानदार हैं। अलला बलल नहीं बोलते हैं। किसी को लड़ाते-भिड़ाते नहीं हैं। कभी आपने उन्हें देखा है? देखा तो नह है। सुनते हैं कि वह पहले झारखण्ड में पुलिसवालों के मालिक थे।

पत्रकार से मुलाकात होती है। हम उससे जानना चाहते हैं कि पलामू में भाजपा प्रत्याशी को लेकर लोगों के मन में क्या चल रहा है। उनके प्रति लोगों में क्या धारणा है। वह लोगों से मिलते-जुलते हैं कि नहीं। लोगों की सुनते हैं कि नहीं। आने-जाने में एज फैक्टर तो नहीं है। उस पत्रकार ने जो कुछ कहा-उसे हम यहां लिख रहे हैं:

सर, बहुत दिनों बाद पलामू को एक पढ़ा-लिखा सांसद मिला है। क्यों इसके पहले कोई पढ़ा-लिखा सांसद नहीं था? वह कहते हैं: आप तो इतने बड़े पत्रकार हैं, खुद ही जानते हैं। वह अपनी बात जारी रखते हैं: इसके पहले एक ऐसे सांसद थे, जो जंगल से ही उठ कर यहां आ गये थे। बचपन में ही उहोंने अपने हाथ में बंदक उठा

उनकी गर्दन में गमछा लपेट कर पैड पर योजनाओं का रिकोर्डेशन करा लेता था। कई ठेकेदार तो ऐसे थे, जिनके पास उनका लेटर पैड था। ठेकेदार अपनी मर्जी से उस पैड पर योजना का नाम लिख कर डीसी ऑफिस भेजवा देते थे। पटाई-लिखाई से उनको कितना लगाव था, आप खुद ही पता कर लीजिए। एक और सांसद थे। वह दूसरे दल के थे। वह जब तक रहे विवाद में ही रहे। वह तो पटना से नीचे कभी बात ही नहीं करते थे।

कर लीजिए।

इस रिपोर्ट को पढ़ कर कड़ियों
को ऐसा लगेगा कि यह एकतरफा
रिपोर्ट है। एक पक्षीय रिपोर्ट है।
उसमें सिर्फ़ एक दल का ब्रह्मान
केया गया है। कुछ लोग इसे
नेनेज्ड रिपोर्ट भी कह सकते हैं,
योंकि इन दिनों ऐसा प्रचलन सा-
वल पड़ा है कि अगर रिपोर्ट उनके
मन मुताबिक नहीं हुई, तो वह
पापक से गोदी मिडिया से लेकर
मामाम तरह के विशेषणों से नवाज
रखे रहे। लेकिन हम बता देना चाहते
हैं कि पलामू के जीरो ग्राउंट पर
ही स्थिति है। मैदान में अभी
सेर्फ़ भाजपा दिख रही है। अंदर
उगी अंदर मतदान को लेकर भारी
उत्साह देखा जा रहा है। दूसरी
एक विपक्ष अभी इसी उधें-बुग
में उलझा है कि यहां से राजद

नाना, आजु रहा ताजा जीवन
असर दिखा रहा है। ओबीसी के
प्रति भाजपा आलाकमान के हृदय
में उमड़े प्रेम का भी पलामू जैसे
पिछड़े इलाके में साफ़ असर देखा
जा सकता है। वह समाज आज
पूरी तरह जाग चुका है। वह मुख्यर
भी है और खुलेआम इसका
इजहार भी कर रहा है। उसके लिए
यह कोई मायने नहीं रखता कि
वहां समस्याएं क्या हैं, उन्हें क्या
मिला? उनके लिए कोई खास दल
भी मायने नहीं रखता। उनका
कहना है आज टिकट में हिसेदारी
मिली है, कल दूसरे अधिकार भी
मिल जायेंगे।

**(जयकांत थुकला, विजय
प्रताप देव, सुनील सिंह,
प्रदीप ठाकुर के साथ
हरिनारायण सिंह)**

गुमला

खेल-खेल में बच्चों ने पुआल में लगायी आग

आजाद सिपाही संवाददाता



रायडीह। थाना क्षेत्र के सिलम गांव में कृष्णा उरांव के अंगन में मवेशियों को खिलाने हेतु पुआल का गांज रखा हुआ था। गांव के बच्चे खेल रहे थे जिसी बच्चों के हाथ में माचिस था। और खेलते खेलते नादानी में ही पुआल में आग लगा दिया जिससे देखते ही देखते आग की लाटें जोर पकड़ने लगी। और धू धू कर जलने लगा इससे आपसामं अफरा तपरी मच गया लोग बाल्टी और बर्तन में पानी लेकर

आग बुझाने की कोशिश करते रहे इसी बीच समाजसेवी मांगू उरांव ने रायडीह थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह को फोन पर घटना की जानकारी दी। उसके बाद प्रभारी ने अपनी अधिकारी ने देखते ही देखते आग की लाटें जोर पकड़ने लगी। और धू धू कर जलने लगा इससे आपसामं अफरा तपरी मच गया लोग बाल्टी और बर्तन में पानी लेकर

</

चूंग रील्स
बीजेडी में शामिल
हुई लेखाश्री
सामंतसिंहार



भवनेश्वर (आजाद सिपाही)।

लेखाश्री सामंतसिंहार बीजेडी में शामिल हो गये। शेख भवन जाकर वे बीजेडी के जुड़ गये। उन्होंने रविवार सुबह बीजेडी छोड़ दी। उन्होंने पोंगल पर्विया पर अपने इस्टोफे पत्र की सूचना दी। बीजु जनता दल (बीजेडी) में शामिल होने के बाद लेखाश्री ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मैं खुले दिल से बीजेडी में शामिल हुईं। इसके लिए मैं मूलमंत्री नवीन पटनायक का आभार हूं। मूलमंत्री ओडिशा के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

54 साल बाद लगेगा दुर्लभ सूर्य ग्रहण आज नवी दिल्ली।

8 अप्रैल को चैत्र मास की अमावस्या के दिन लगने जा रहा साल का पहला सूर्यग्रहण बहुत ही अहम माना जा रहा है। ज्यानिया शास्र में भी सूर्य ग्रहण होना चाहिए और खुद को निवेश करना का आभार हूं। मूलमंत्री ओडिशा के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 2025 में कैपिटिव खदानों से 40 एमएमटी कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा

भारत तीसरी सबसे बड़ी स्टार्ट-अप अर्थव्यवस्था बन गया है: ओंकार

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। दो दिवसीय ई-शिखर सम्मेलन शनिवार को सेंटर फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च (सोआ) में शुरू हुआ, जो सोआ के अटल इन्क्यूबेशन सेटर, सोआ फॉटोडेशन और सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन (सोआ-सीआइए) की संयुक्त पहल है।

विवारियों के स्टार्टअप के प्रति रुचि बढ़ने के उद्देश से आयोजित इस कार्यक्रम में स्टार्टअप ओडिशा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ ओंकार रेण्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके लिए मैं मूलमंत्री नवीन पटनायक का आभार हूं। मूलमंत्री ओडिशा के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

54 साल बाद लगेगा दुर्लभ सूर्य ग्रहण आज नवी दिल्ली।

8 अप्रैल को चैत्र



कई अवसर पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि सोआ जैसे शैक्षणिक संस्थान ओडिशा में इन्क्यूबेशन सेटरों को अधिक महत्व दे रहे हैं। वह कहते हुए कि भारत ने अब खुद को दुनिया की तीसरी के सबसे बड़ी स्टार्टअप अर्थव्यवस्था के रूप में विकास करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने बताया कि केसे छात्र कम पूँजी निवेश करके अपने स्टार्टअप को अधिक लाभाद्यक बना सकते हैं जबकि स्टार्टअप

कृषि में 151, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 25, ऑटोमेटिव में 27, दूरसंचार और नेटवर्किंग में 13, शिक्षा में 133, पारंपरिक ऊर्जा में 2 और नवीकरणीय ऊर्जा में 22 स्टार्टअप आए हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर, सोआ के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार नंद ने कहा कि इस तहत का ई-शिखर सम्मेलन पहली बार आयोजित किया जा रहा है और अटल

और दूसरी दंत विकित्सा विज्ञान में।

इन्क्यूबेशन सेंटर जल्द ही अपनी उपस्थिति का विस्तार करेगा। उन्होंने कहा कि न केवल इंजीनियरिंग बल्कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में नवाचार पर भी जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सोआ की दो परिवेशान्वयों की हाल ही में आईआईटीआर की अतिरिक्त डीमू (छात्र मामले) प्रेरण शर्मा ने स्वामग भाषण दिया और सोआ-सीआईआई के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

कार्यकर्ताओं को लक्षण प्रसाद सिंह ने दिये टिप्प



आजाद सिपाही संवाददाता

घर पहुंच कर आंतम व्यक्ति तक बदनवार। कोडरामा लोकसभा में सभसे ज्यादा प्रतिनिधियों को बताने के लिए मौका भाजपा की मरींगी ही। इस मौके कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याओं से उड़े अवगत कराया जिसे श्री सिंह कुछ समस्या हल किया और कुछ को हल करने का भोसा दिया। उन्होंने लोगों से भाजपा की प्रवर्चन जीत के लिए आम जनों से भाजपा की चार चौं पौं प्रियंशन पर अपील की। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि अशोक राय, उदय सिंह, रामप्रसाद राय, जनवरी बाल और विनय कुमार सिंह आदि कई लोग शामिल थे।

अग्निबाण रॉकेट लांचिंग की तीसरी कोशिश भी नाकाम

श्रीहरिकोटा (आजाद सिपाही)। चेन्नई रित्यु अंतरिक्ष स्टार्ट-अप

अग्निकुल कर्ससमाप्ति ने अग्निबाण रकेट के प्रक्षेपण को रद्द कर दिया। वह प्रक्षेपण उड़ान भरने से लगभग 92 सेकंड पहले रद्द किया गया। इसके पीछे अग्निकुल कर्ससमाप्ति ने तकनीक खामियों का वालाला दिया है। बता दें कि अग्निबाण एक सेमी प्रॉप्रेल रकेट है और 22 मार्च से अब तक इसके परिवर्ग का यह तीसरा प्रयास था। वह परीक्षण उड़ान श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश ध्वनि अंतरिक्ष देवगढ़ में अग्निकुल लान्च पैड पर आयोजित होने वाला था। इससे पहले शनिवार सुबह 7.45 बजे भी प्रक्षेपण की कोशिश की गयी थी। वह दूसरा प्रयास था और वह भी सफल नहीं हो पाया था। इसके बाद रविवार को सुबह 5.30 बजे पर्लांचूंग का समय निर्धारित किया गया था लेकिन इसे भी सुबह 7.45 बजे के लिए टाल दिया गया। आईआईटी चेन्नई इन्क्यूबेटेड स्टार्ट-अप का कहना है कि अग्निबाण के उड़ान के 92 सेकंड पर रद्द कर दिया गया।

आतरेयकता

रोजगार विजापन: चुनाव प्रचार हेतु 4000 से 5000 संख्या में प्रचारक की आवश्यकता है। समाज सेवा कर्णे के साथ-साथ दोजगार का अवकाश भी है।

संपर्क करें -

मनोज कुमार: 82981 51476, वल्लुन कुमार: 8709161626

मोहनीन लंगार: 6203 921 912,

Shop No.: 7&8, 1st Floor Srishti Complex, Near Firayalal Chowk, Ranchi, Jh.

कृष्ण ज्वेलर्स Mob: 9973853279, 9031249105



आगार्य प्रणव मिश्रा

प्रसिद्ध ज्योतिष रत्न सोडमेलिस्ट, M.M.

(ज्योतिषविज्ञान) टार्ग 20 12 एवं (P.H.D) गंगा, वि. वि. गंगा

गंगी वीक, सोनार गली, वीण तटबालाय के समान अपर बाजार, रांची

RAJHANS ACADEMY IIT-JEE | NEET | FOUNDATION

Creating Path Towards Success

ADMISSION OPEN

ENGINEERING | MEDICAL | FOUNDATION

11th 12th & 12th Pass | 11th 12th & 12th Pass

Call Us : 6287842201 / 02 / 03 / 04, 0651-4658773

302, 3rd Floor, Pranami Height, Circular Road (Lajpur), Ranchi-01

Email: rajhansacademy7@gmail.com | www.rajhansacademy.in

वर्मा प्रेस प्राप्त लिंग राँची

Verma's Today शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं-

Class - X Class - IX

Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi - B	₹ 140	Hindi Vyakaran - II	₹ 120
Hindi Vyakaran - II	₹ 120	English Grammar - II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran - II	₹ 100	Hindi Practical	₹ 55
Hindi Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths Practical	₹ 65	Maths Practical	₹ 65
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75

English Medium English Medium

Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !